No. of Printed Pages : 6

BPAC–132

BACHELOR OF ARTS (GENERAL) (BAG)

Term-End Examination

December, 2025

BPAC-132 : ADMINISTRATIVE THINKERS

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer any* ***five*** *questions in about* ***400*** *words each by selecting at least* ***two*** *questions from each Section. All questions carry equal marks.*

Section—I

1. Explain how Kautilya's account of administration emphasized the importance of individuals responsible for its operation.

2. Define Gandhiji's views on the concept of Trusteeship.
3. Analyse how Taylor's Scientific Management theory improved organisational processes.
4. Elaborate on Follett's conflict of power, authority and control within organisations.

Section—II

5. Discuss Chester I. Bernard's views on organisation as a cooperative system.
6. Explain how Herbert A. Simon considered decision-making the core the administrative action and elaborate on his views regarding the role of behaviour, facts and values in this process.

7. Analyse the continued relevance of Herzberg's two-factor theory in contemporary settings.

8. Describe Drucker's key contributions to the field of management.

BPAC–132

कला स्नातक उपाधि (सामान्य)

(बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

बी.पी.ए.सी.-132 : प्रशासनिक विचारक

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लगभग **400** शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग में से कम-से-कम **दो** प्रश्न अवश्य कीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

भाग—I

1. किस प्रकार कौटिल्य के प्रशासन के विवरण ने इसके संचालन के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों के महत्व पर जोर दिया, व्याख्या कीजिए।

2. ट्रस्टीशिप की अवधारणा पर गांधीजी के विचारों को परिभाषित कीजिए।

3. किस प्रकार टेलर के वैज्ञानिक प्रबंधन सिद्धान्त ने संगठनात्मक प्रक्रियाओं को सुधारा, विश्लेषण कीजिए।

4. संगठनों में फॉलेट के संघर्ष, प्राधिकार, अधिकार तथा नियंत्रण का विस्तृत वर्णन कीजिए।

भाग–II

5. एक सहयोगी प्रणाली के रूप में संगठन पर चेस्टर आई. बर्नार्ड के विचारों की चर्चा कीजिए।

6. व्याख्या कीजिए कि किस प्रकार हर्बर्ट साइमन ने निर्णय-निर्माण को प्रशासनिक कार्रवाई का मूल माना और इस प्रक्रिया में व्यवहार, तथ्यों और मूल्यों की भूमिका से सम्बन्धित उनके विचारों का विस्तृत वर्णन कीजिए।

7. समकालीन व्यवस्थाओं में हर्जबर्ग के द्वि-कारक सिद्धान्त की निरन्तर प्रासंगिकता का विश्लेषण कीजिए।

8. प्रबंधन के क्षेत्र में ड्रकर के मुख्य योगदानों का वर्णन कीजिए।

× × × × ×